हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, सोमवार 16 फरवरी 2026

11 हिसार में रैली कर दिखाएंगे ताकत 50 हजार लोग जुटाने का दावा

12 संगत बुरी तो सर्वनाश से कोई नहीं रोक सकता...

फतेहाबाद। श्री श्याम मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक करते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

जाखल। शिवलिंग पर दूध व गंगाजल से अभिषेक करते श्रद्धालु।

रतिया। शिवलिंग पर जलाभिषेक करते श्रद्धालु।

टोहाना। शिवलिंग पर जलाभिषेक करते सांसद सुभाष बराला।

भूना। हंसगा गांव में शिवलिंग पर जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और शांति की कामना करते बच्चे।

लोगों ने शिवलिंग पर जल चढ़ाकर मन्नतें मांगी, श्रद्धालुओं में गहरा उत्साह देखने को मिला

विधि विधान से भगवान शिव की पूजा और व्रत करने वालों की मनोकामना होती है पूर्ण

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में गूंजे 'बम-बम भोले' के जयघोष, अलसुबह से ही मंदिरों में लगी कतारें

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

जिलेभर में रविवार को महाशिवरात्रि का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। इस उपलक्ष्य में सुबह 4 बजे से ही मंदिरों और शिवालयों में भक्तों की कतारें लगी रही। लोगों ने शिवलिंग पर जल चढ़ाकर मन्नतें मांगी। शहर के श्री श्याम मंदिर, श्री दुर्गा मंदिर, श्री मनकामेश्वर मंदिर, श्री रघुनाथ मंदिर, श्री संन्यास आश्रम मंदिर, श्री राम सेवा समिति शिवालय व शहर के अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। अशोक नगर स्थित प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय में भी महाशिवरात्रि पर्व पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री श्याम मंदिर के पुजारी सोनू शर्मा ने कहा कि महाशिवरात्रि का यह पर्व मनोकामना पूरी करने वाला होता है। भोले बाबा सबकी मनोकामना पूरी करते है। आज के दिन पूरे विधि विधान से भगवान शिव की पूजा और व्रत करने वालों की मनोकामना पूर्ण होती है।

फतेहाबाद। ब्रह्मकुमारी आश्रम में कार्यक्रम का शुभारंभ करते वेद फुलां।

ब्रह्मकुमारी आश्रम में मनाई महाशिवरात्रि

फतेहाबाद। अशोक नगर स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय आश्रम में महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान भगवान शिव की महिमा, उनकी दिव्य शक्तियों और अध्यात्म के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। शिव स्तुति के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में हरकोफैड के चेयरमैन वेद फूलां मुख्य अतिथि रहे जबकि जिला परिषद की चेयरपर्सन सुमन खीचड़ विशिष्ट अतिथि रहे। ब्रह्मकुमारी बहनों व भाईयों ने भी भगवान शिव की महिमा का गुणगान किया। ब्रह्मकुमारी बहनों और ब्रह्मकुमार भाइयों ने अपने संबोधन में बताया कि महाशिवरात्रि केवल पर्व नहीं, बल्कि आत्म-जागरण का संदेश है। शिव निराकार, ज्योतिर्बिंदु और शांति के सागर हैं, जो मानव जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा देते हैं। भगवान शिव की शिक्षाएं मनुष्य को विकारों से मुक्त होकर सत्य के मार्ग पर चलने की सीख देती हैं।

जाखल के मंदिरों में भक्तों का लगा तांता

जाखल। क्षेत्र में रविवार को महाशिवरात्रि का पर्व बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तों का तांता लगा नजर आया। इस दौरान शिवभक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया और शिव भोले से आशीर्वाद प्राप्त किया। बता दें कि कुछ भक्तों द्वारा हरिद्वार से पवित्र गंगा जल भी लाया गया। इस पर्व पर मंदिर कमेटी की तरफ से भक्तों को प्रसाद के रूप में फल व खीर वितरित की गई। बता दे कि शिव भक्तों का आज सबसे प्रिय त्योहार शिवरात्रि है। सुबह से ही शहर के मंदिरों में शिव भक्तों का तांता लगा रहा। लोग भगवान शिव के शिवलिंग का जलाभिषेक दूध, दही, गंगाजल आदि से कर अपनी मनोकामना मांगी। मंदिर में आए भक्तो में भी काफी उत्साह है और लोग भगवान शिव के रंग में डूबे हुए है।

सांसद ने डांगरा धाम में किया जलाभिषेक

टोहाना। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को प्रसिद्ध डांगरा धाम पहुंचकर भगवान शिव के दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर जलाभिषेक किया। इस अवसर पर उन्होंने देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। सांसद ने स्वर्ग आश्रम सेवा समिति टोहाना द्वारा महाशिवरात्रि पर आयोजित किए गए आयोजन में भी शिकरत की। बराला ने कहा कि महाशिवरात्रि केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आध्यात्मिक जागरण और आत्मचिंतन का अवसर है। भगवान शिव का जीवन त्याग, तपस्या, समर्पण और लोककल्याण का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि भोलेनाथ की आराधना से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, संयम और सेवा भाव का संचार होता है, जो समाज को एकता और सद्भाव की दिशा में अग्रसर करता है। डांगरा धाम में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सांसद बराला ने श्रद्धालुओं से संवाद करते हुए सभी को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

शक्ति नगर के राधा कृष्ण मंदिर में श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

रतिया। शहर के शक्ति नगर स्थित राधा कृष्ण मंदिर में रविवार को शिवरात्रि का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भक्तों ने कतारों में लगकर शिवलिंग पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित किए और परिवार व समाज की सुख-शांति के लिए मंगल कामना की। मंदिर के पुजारी पंडित कपिल कृष्ण शास्त्री ने मुख्य यजमानों और उपस्थित श्रद्धालुओं से विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना संपन्न करवाई। मंत्रोच्चारण के बीच पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पंडित कपिल कृष्ण शास्त्री ने कहा कि महाशिवरात्रि का पर्व शिव और शक्ति के मिलन का प्रतीक है। इस अवसर पर मंदिर कमेटी की ओर से सुरक्षा और प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम किए गए थे ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो। शाम के समय मंदिर में विशेष आरती और भजन संध्या का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा मां शीतला मंदिर सेवा ट्रस्ट की तरफ से मां शीतला मंदिर में स्थापित शिवालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया आज प्रातः काल से ही महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में हर हर महादेव बम बम भोले के नारों से मंदिर का माहौल भक्तिमय हो गया। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में कावड़ियों का भी आना सारा दिन लगा रहा।

नाढोड़ी में मेला, भूना में चला भंडारा और महिलाओं ने रखा व्रत

भूना। महाशिवरात्रि पर्व पर रविवार को क्षेत्र के शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। नाढोड़ी गांव के शिव मंदिर में पारंपरिक मेले का आयोजन हुआ, वहीं भूना के शिव कांवड़ संघ मंदिर में पूरे दिन भजन-कीर्तन और विशाल भंडारा चलता रहा। मंदिर परिसरों को आधुनिक रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया, जिससे श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल बना रहा। हंसगा गांव के हनुमान मंदिर में स्थापित शिवलिंग पर महिलाओं ने जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। कई महिलाओं ने एक दिन का उपवास रखकर भगवान शिव की आराधना की। इस दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने भी भक्ति भाव से कार्यक्रमों में भाग लेकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भूना मंदिर कमेटी के सदस्य पवन कुमार सिंगला ने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर व्यापक स्तर पर प्रबंध किए गए थे। हजारों श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कांवड़ियों के लिए अलग से बैठने की व्यवस्था की गई। देसी पकवानों के साथ विशेष भंडारा आयोजित किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। नाढोड़ी गांव के शिव मंदिर में शनिवार देर रात से ही मंदिर के बाहर दूर-दूर तक दुकानें सज गई थीं। रविवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमडबे लगी।

सिरसा : ॐ नमः शिवाय से गूंजे शिवालय

- जिलेभर में धूमधाम से मनाई गई महाशिवरात्रि, श्रद्धालुओं ने किया भगवान शंकर का जलाभिषेक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

जिलेभर में महाशिवरात्रि पर्व रविवार को धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने शिवालयों में जलाभिषेक किया। वहीं शहर में जगह-जगह लंगर भंडारों का आयोजन किया गया। मुख्य आयोजन शिवपुरी स्थित भूतेश्वरनाथ मंदिर में किया गया। मंदिर परिसर में सुबह हवन यज्ञ किया गया। बाद में भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं की कतारे लगी हुई थी। श्रद्धालुओं ने शिव भोले का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। श्रद्धालुओं ने दूध, दही, घी, शहद, चीनी, मिष्ठाण, फल, भांग, धतूरा, बेलपत्र आदि के साथ पूजा अर्चना की। साथ ही शिवपुरी रोड पर मेला लगा था। जहां पर बच्चों और महिलाओं ने खरीददारी की तो युवा वर्ग भांग की पकौड़ी और कचौड़ी खरीदने के लिए उमड़ा हुआ था। श्रीगौशाला स्थित प्राचीन शिव मंदिर, सरसाई नाथ मंदिर, श्री श्याम बगीची धाम, सनातन धर्म मंदिर में इस मौके पर लंगर भंडारे का आयोजन किया गया। सिरसा के संस्थापक सरसांई नाथ बाबा की पूजा अर्चना की साथ ही जलाभिषेक किया।

सिरसा। भोलेनाथ का जलाभिषेक करते श्रद्धालु तथा लंगर का प्रसाद ग्रहण करते। फोटो: हरिभूमि

सर्वकल्याण की कामना की

वहीं श्री बाबा तारा कुटिया परिसर में हवन यज्ञ कर भगवान भोलेनाथ व तारा बाबा से सर्वकल्याण की कामना की। सुबह-सवेरे से ही बाबा तारा कुटिया में स्थित शिवालय पर जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया। इसके साथ ही भादरा पार्क स्थित सर्राफों वाला शिव मंदिर, खजांचियों वाला शिवालय, गली पारखांवाली स्थित शिव मंदिर, मुलतानी कालोनी स्थित शिव मंदिर, सब्जी मंडी स्थित शिव मंदिर में शिवालय पर जलाभिषेक किया गया।

आर्य समाज में वैदिक मंत्रों के साथ कराया यज्ञ

- सत्संग का भी आयोजन किया जिसमें अनेक श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

सुंदर नगर स्थित आर्य समाज भवन में महाशिवरात्रि एवं ऋषि बोधोत्सव का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर वैदिक हवन यज्ञ और सत्संग का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यज्ञ के ब्रह्मा पुरोहित दीपक शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत आहुतियां डलवाई। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने स्वामी दयानंद सरस्वती बालक मूलशंकर के जीवन की उस क्रांतिकारी घटना का स्मरण कराया, जिसने उनके जीवन की दिशा बदल दी। शास्त्री जी ने बताया कि महाशिवरात्रि की रात्रि में बालक मूलशंकर ने जब एक चूहे को शिवलिंग पर चढ़ा प्रसाद खाते देखा, तो उनके मन में यह गहन प्रश्न उठा कि जो स्वयं की रक्षा नहीं कर सकता, वह जगत का रक्षक कैसे हो सकता है। यही जिज्ञासा सच्चे शिव की खोज का आधार बनी और आगे चलकर वे वेदों के महान प्रचारक बने। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद ने अंधविश्वासों का खंडन कर शिव के वास्तविक स्वरूप को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि शिव का अर्थ निराकार, सर्वव्यापक और कल्याणकारी परमात्मा है। महाशिवरात्रि केवल कर्मकांड का नाम नहीं, बल्कि यह आत्म-चिंतन, संयम और आध्यात्मिक जागरण का पर्व है।

फतेहाबाद। महाशिवरात्रि पर आयोजित यज्ञ में भाग लेते आर्य समाज के सदस्य।

किया आह्वान

इस आध्यात्मिक अवसर पर समाज के विभिन्न प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने हिस्सा लिया, जिनमें मुख्य रूप से आर्य समाज फतेहाबाद के प्रधान आर्य अरुण ग्रोवर, पूर्व प्रधान बंसीलाल आर्य, पॉयनियर स्कूल के संचालक विजय निर्मोही, डॉ. राजवीर शास्त्री, बुधराम आर्य, राजेश मेहता, धर्मवीर मदन, रोशन लाल गोदारा, बनारसी दास मोंगा, भूप सिंह पटवारी एवं समस्त मातृशक्ति शमिल रहे। कार्यक्रम के समापन पर आर्य समाज के प्रधान आर्य अरुण ग्रोवर ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि स्वामी दयानंद जी के सपनों को साकार करने के लिए हमें अपने जीवन में वैदिक सिद्धांतों को उतारना चाहिए।

17 को पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से हो सकती है बूंदाबांदी

इस बार पहाड़ों पर बर्फबारी कम होने के कारण मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा

फरवरी माह में ही 28 तक पहुंचा पारा मौसम के बदले मिजाज से बढ़ी चिंता

सुरेन्द्र असीजा ⏭ फतेहाबाद

इस बार बसंत ऋतु 15 दिन पहले आई तो गर्मी का भी पहले आगाज हो गया। रविवार को निकली धूप ने लोगों को गर्मी का अहसास करवा दिया। दरअसल पहले सर्दी के बाद बसंत ऋतु शुरू होती थी तो ठंडी हवाओं का दौर चलता था। अब इसके विपरीत सर्दी के बाद सीधा गर्मी आ गई है। बीते 16 वर्षों में पहली बार है कि फरवरी के दूसरे सप्ताह में ही तापमान 28 डिग्री को पार कर गया जबकि रात का तापमान 12 डिग्री के आसपास चल रहा है। इस तरह दिन और रात के तापमान में 16 डिग्री का अंतर आ गया है, जो गेहूं और अन्य फसलों के साथ-साथ मनुष्यों के लिए भी कतई ही अनुकूल नहीं कहा जा सकता। यही वजह है कि नागरिक अस्पताल में मरीजों की तादाद में काफी वृद्धि हुई है। 17 फरवरी को पश्चिमी विक्षोभ के चलते बूंदाबांदी हो सकती है।

फतेहाबाद। तेज धूप में खड़ी गेहूं की फसल। फोटो: हरिभूमि

रात्रि तापमान में गिरावट की संभावना

इस बार ठंड निर्धारित समय से 15 दिन पहले ही खत्म होती नजर आ रही है। विंड पैटर्न ऐसा बन रहा है, जो वेस्टर्न डिस्टरबेंस की रफ्तार को सपोर्ट नहीं कर रहा है। इसके साथ-साथ नमी भी कम आ रही है। कभी-कभी अरब सागर से जो नमीयुक्त हवाएं आती हैं, वो भी अभी नहीं आ रही हैं। इसलिए ज्यादा ठंड के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे हैं। इस बार पहाड़ों पर भी बर्फबारी कम हुई है। यही वजह है कि मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहा है। एचएयू हिसार मौसम विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि प्रदेश में मौसम आमतौर पर 19 फरवरी तक खुश्क परंतु परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान उत्तर व उत्तर पश्चिमी हवाएं चलेंगी, जिससे विशेषकर रात्रि तापमान में हल्की गिरावट आ सकती है परंतु दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी संभव है। 17 फरवरी को पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव के कारण राज्य के मौसम में बदलाव आने की संभावना है।

हिट एंड रन केस में चालक को पकड़ा

फतेहाबाद। सड़क दुर्घटना में एक मजदूर की मौत होने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार भी बरामद कर ली है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि इस बारे सीताराम पुत्र रतन सिंह निवासी आजाद नगर, फतेहाबाद ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि एक फरवरी को वह अपने साथी विनोद मुर्मू पुत्र शुका मुर्मू निवासी गिरिडीह, झारखंड व अन्य के साथ सिरसा रोड स्थित पाली होटल के पास जा रहा था। इसी दौरान फतेहाबाद की ओर से आ रही एक सिल्वर रंग की कार के चालक ने तेज रफ्तार व लापरवाही से वाहन चलाते हुए पीछे से विनोद मुर्मू को टक्कर मार दी, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं।

सीवरेज ओवरफ्लो को लेकर मोहल्लावासियों ने जताया रोष

कालांवाली। जन-स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते शहर के वार्ड दो की गली में सीवरेज ओवरफ्लो होने से सडक पर जमा दूषित पानी स्वच्छता अभियान को मुंह चिढ़ा रहा है। रविवार को गलीवासियों ने एकत्रित होकर विभाग के प्रति रोष जताते हुए उक्त समस्या का समाधान करवाने की मांग की। गलीवासियों ने रोष जताते हुए कहा कि सीवरेज ओवरफ्लो होने से हर समय गली में दूषित पानी का जलभराव रहता है, जिससे वातावरण दूषित होने से सक्रामक बीमारियां फैलने का भय बना हुआ है। विभाग के कर्मचारियों को कई बार अवगत करवाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। जलभराव के कारण बच्चों व बुर्जुगों को सबसे ज्यादा दिक्कत आती है। उन्होंने कहा कि विभाग के कर्मचारी एक बार सीवरेज की सफाई करके चले जाते है, परंतु दो दिनों बाद ही वही समस्या पेश आ जाती है।

मोबाइल फोन के नुकसान

मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे बच्चों में एकाग्रता की कमी, चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या और आंखों की रोशनी कम होने जैसी गंभीर समस्याएं हो रही हैं। यह बच्चों के संज्ञानात्मक विकास को भी धीमा करता है और उन्हें सामाजिक रूप से अलग-थलग कर सकता है, साथ ही मोटापा और विटामिन डी-3 की कमी जैसी शारीरिक बीमारियां भी पैदा करता है।

जब 'ऑनलाइन' नहीं, 'आंगन' में होता था बचपन

शाम होते ही गलियां 'हरे समंदर गोपी चंदर' के सुरों और 'कबड्डी' की हुंकार से गुलजार हो उठती थीं। आज की सूनी गलियों को देख मन उस बेफिक्र अतीत के लिए कसकता है। आज यह आलेख उसी सुनहरे दौर, उन बिसरे खेलों और माटी से जुड़ी उन यादों को फिर से जीने का एक विनम्र प्रयास है, जो अब केवल किस्सों में शेष रह गई हैं।

खेल

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

याद कीजिए अपना बचपन, जब हरियाणा की संस्कृति में खेलों का स्थान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि यह जीवन जीने का एक तरीका था। आज के डिजिटल युग में, जहां बचपन 6 इंच की स्क्रीन में सिमट कर रह गया है, वहीं एक दौर ऐसा भी था, जब बच्चों की दुनिया घर की देहरी से शुरू होकर पूरे गांव के गोरे, चौपालों और खेतों तक फैली होती थी। हरियाणा के बच्चे मिट्टी में पलकर बड़े होते थे।

उनके खिलौने बाजार से नहीं खरीदे जाते थे, अपितु वे खुद अपनी रचनात्मकता से उन्हें गढ़ते थे। टूटी हुई चूड़ियां, माचिस की डिब्बी, पुरानी साइकिल का टायर, और पत्थर के टुकड़े, यही उनकी दौलत थी। तब बचपन खुले आसमान और मिट्टी की सौंधी महक के बीच पलता था। शाम होते ही गलियां 'हरे समंदर गोपी चंदर' के सुरों और 'कबड्डी' की हुंकार से गुलजार हो उठती थीं। आज की सूनी गलियों को देख मन उस बेफिक्र अतीत के लिए कसकता है। आज यह आलेख उसी सुनहरे दौर, उन बिसरे खेलों और माटी से जुड़ी उन यादों को फिर से जीने का एक विनम्र प्रयास है, जो अब केवल किस्सों में शेष रह गई हैं। आइए, उस पुरानी संदूक को खोलें और यादों की धूल झाड़कर उन खेलों को फिर से याद कर इस डिजीटल पीढ़ी के साथ उन यादों को बांट लें। बचपन के शुरुआती दौर के खेल अक्सर शारीरिक बल के बजाय सुर, लय और सामूहिकता पर आधारित होते थे।

इनमें जीत-हार से ज्यादा महत्व सबके साथ होने का था। ''हरे समंदर गोपी चंदर'' तो आपको याद ही होगा, यह खेल मासूमियत का पर्याय था। यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि बच्चों की कल्पना की पहली उड़ान होती थी। इसमें शाम होते ही गली के बच्चे एक गोल घेरा बना लेते। बीच में एक बच्चा बैठता, जिसे 'मछली' कहा जाता था। फिर बच्चों के बीच सवालों और जवाबों का एक सिलसिला शुरू होता। बच्चों का समूह कहता, 'हरे समंदर गोपी चंदर, बोल मेरी मछली कितना पानी?' बीच का बच्चा जो मछली बना होता, वह कहता, 'इतना पानी!' (पैरों की एड़ी तक इशारा करते हुए)। इसी प्रकार पानी का स्तर धीरे-धीरे बढ़ता...घुटने, कमर, पेट, गला... और अंत में जब मछली चिल्लाती 'सिर के ऊपर पानी!' या 'डूब गए!', तो सारे बच्चे खिलखिलाते हुए एक-दूसरे के ऊपर गिर जाते या डूबने वाली मछली को बचाने का अभिनय करते। यह खेल बच्चों को एकजुटता सिखाता था और काल्पनिक दुनिया में सूखी जमीन पर समुद्र महसूस कराता था। इसमें कोई प्रतिस्पर्धी तनाव नहीं था, बस निर्मल आनंद था।

'पोशम्पा भाई पोशम्पा' तो बच्चों में बहुत प्रिय खेल था। दो बच्चों द्वारा हाथ ऊपर करके और उन्हें मिलकर एक फाटक बनाया जाता और उसके नीचे से गुजरती बच्चों की रेल गाती ....

'पोशम्पा भाई पोशम्पा , लाल किले में क्या हुआ? सौ रुपये की घड़ी चुराई, अब तो जेल में जाना पड़ेगा, जेल की रोटी खानी पड़ेगी, जेल का पानी पीना पड़ेगा!'

जैसे ही गाना खत्म होता, 'फाटक' बने बच्चे अपने हाथ नीचे कर लेते और जो बच्चा अंदर फंस जाता, उसे 'कैद' कर लिया जाता। इस अद्भुत ढंग से खेल-खेल में अनजाने में ही बच्चों को सही और गलत का पाठ पढ़ा दिया जाता था कि चोरी करने पर जेल जाना पड़ता है। साथ ही, पकड़े जाने का डर और उससे बचने की फुर्ती, बच्चों में रोमांच भरती थी। फिर 'अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो' का अपना कमाल था। असल में, यह कोई खेल नहीं, बल्कि 'खेल शुरू करने का मंत्र' था। जब भी किसी खेल में यह तय करना होता था कि 'दाम' यानि पारी कौन देगा, तो अक्कड़-बक्कड़ ही सबसे बड़ा न्यायाधीश होता था। जिससे फैसला किया जाता था। जैसे 'अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो, अस्सी नब्बे पूरे सौ। सौ में लगा धागा, चोर निकल के भागा।' जिस बच्चे पर आखिरी शब्द 'भागा' आता, वह चयन से बाहर हो जाता या चुन लिया जाता। यह निर्णय लेने की सबसे लोकतांत्रिक और निष्पक्ष प्रक्रिया थी जिसे हर बच्चा मानता था।

इन सभी खेलों में एकाग्रता,कार्य कुशलता, निशाना और रणनीति जैसे व्यावहारिक गुणों का प्रशिक्षण स्वतः ही बच्चे के गुणों में शामिल हो जाते थे। कंचे खेलना एक कला थी और जेब में कंचों की खनक जैसे बच्चों में रईसी की निशानी समझी जाती थी। कच्ची जमीन पर एक छोटा सा गड्ढा जिसे 'पिल्ल' कहते थे, बनाया जाता था। हाथ की बीच वाली उंगली को खींचकर, दूसरे हाथ से कंचे को साधते हुए 'टक्क' की आवाज के साथ दूसरे कंचे को हिट करना। जो निशाना चूक गया, वह हार गया। जो जीत गया, वह सामने वाले के कंचे ले जाता। 'अंटी', 'बट्टा', 'सिप्पी' ये शब्द कंचे खेलने वालों की विशेष शब्दावली का हिस्सा होते थे। यह खेल एकाग्रता और ज्यामिति का व्यावहारिक ज्ञान देता था, वहीं जीतने का नशा और हारने पर अपने प्रिय कंचे को खोने का दुख, बच्चों को भावनाओं पर काबू करना सिखाता था। गुल्ली-डंडा तो आपने अवश्य खेला होगा जिसे यदि 'भारतीय क्रिकेट का पूर्वज' कहा जाए तो गलत नहीं होगा। एक बड़ा डंडा और एक छोटी लकड़ी की गुल्ली, जो दोनों सिरों से नुकीली होती थी। गुल्ली को डंडे से धीरे से उछालना और फिर हवा में ही जोर से प्रहार करना। गुल्ली जितनी दूर जाती, खिलाड़ी का रूतबा उतना बढ़ता। अगर विपक्षी टीम ने हवा में गुल्ली लपक ली, तो खिलाड़ी आउट। यह खेल हाथ और आंख के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण था। हरियाणा की पहचान 'पहलवान' लोगों से है और इसकी नींव बचपन के इन्हीं खेलों में पड़ती थी। कबड्डी जो हरियाणा की रगों में दौड़ता है। बिना किसी उपकरण के, केवल शरीर और सांसों के दम पर खेला जाने वाला यह खेल पौरुष का प्रतीक था। विरोधी के पाले में जाकर, बिना सांस तोड़े 'कबड्डी-कबड्डी' बोलते हुए खिलाड़ियों को छूकर वापस आना। दूसरी तरफ, डिफेंडर्स की 'चेन' बनाकर रेडर को दबोच लेना। हालांकि आज इसका आधुनिक समय में व्यवसायिक स्वरूप

देखने को मिल जाता है, जो सुखद है। कुछ इसी तरह का उदाहरण 'कुश्ती' के रूप में भी हमारे सामने है जो अतीत से लेकर आज वर्तमान में विश्वभर में प्रसिद्ध है।

आप 'पिठू' या 'सत्तोलिया' को याद कीजिए जो टीम वर्क और फुर्ती का बेजोड़ मिश्रण था। सात चपटे पत्थर और एक कपड़े की गेंद, बस यही थी खेल की सामग्री। एक खिलाड़ी गेंद से पत्थरों की मीनार गिराता। फिर उसकी टीम को उन पत्थरों को वापस एक के ऊपर एक जमाना होता, जबकि विपक्षी टीम उन्हें गेंद मारकर ऐसा करने से रोकती। गेंद लगने पर 'पिठू!' चिल्लाना। भागना, चकमा देना और गिरते-पड़ते पत्थरों को पूरा करना—यह सब अद्भुत रोमांच पैदा करता था। 'बंदर किल्ला' ग्रामीण अंचलों में बहुत लोकप्रिय खेल था। जमीन में एक कीला (खूंटा) गाड़ा जाता और उस पर लंबी रस्सी बांधी जाती। 'बंदर' बना बच्चा रस्सी पकड़ता। कीले के पास सभी बच्चों के जूते-चप्पल रखे जाते। बंदर को उनकी रक्षा करनी होती, जबकि बाकी बच्चे उन्हें चुराने की कोशिश करते। जो बच्चा बंदर द्वारा छू लिया जाता, उसे अगला बंदर बनना पड़ता। इसी प्रकार 'स्टापू' यानि 'कीड़ी-काड़ा' आमतौर पर लड़कियों द्वारा खेला जाने वाला खेल था। जमीन पर चौक या ईंट से खाने बनाए जाते। एक चपटा पत्थर (थीकरी) फेंककर, एक पैर पर कूदते हुए उसे सरकाना होता था। शरीर का संतुलन बनाए रखना और लाइन को न छूना। यह पैरों की मजबूती और धैर्य की परीक्षा थी। 'स्टापू' की तरह ही 'गिट्टे' भी ज्यादातर लड़कियों द्वारा खेला जाने वाला खेल था। जिसमें पांच छोटे पत्थरों को हथेली पर उछालना, उन्हें हवा में पकड़ना और जमीन पर गिरे पत्थरों को बिना हिलाए उठाना। यह खेल अंगुलियों के जादू जैसा था।

आंगन और गलियों की वह रौनक आज जब याद करते हैं, तो एक टीस उठती है। उन खेलों में अमीर-गरीब, जात-पात का कोई भेद नहीं था। जो अच्छा खेलता, वही सरदार होता। आज के वीडियो गेम्स ने बच्चों को कमरों में अकेला कर दिया है। पुराने खेलों में दौड़ना, कूदना, लटकना और गिरना शामिल था। इससे बच्चों की हड्डियां मजबूत होती थीं, इम्युनिटी बढ़ती थी और 'विटामिन डी' (धूप) भरपूर मिलता था। आज बच्चों में मोटापा और चश्मे आम हो गए हैं। पहले बच्चे खुद नियम बनाते थे, खुद झगड़े सुलझाते थे और खुद खिलौने बनाते थे।

आज सब कुछ 'रेडीमेड' है, जिससे उनकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो रही है। सच कहूं तो ये सब खेल महज खेल नहीं थे। वे जीवन की पाठशाला थे। ढाई-तीन दशक पहले तक जो गलियां बच्चों के शोर-गुल से गुलजार रहती थीं, आज वे सन्नाटे में हैं। हम समय को पीछे नहीं ले जा सकते, लेकिन हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को यह विरासत तो सौंप ही सकते हैं। कभी वीकेंड पर मॉल ले जाने के बजाय, बच्चों को पार्क में ले जाकर 'पिठू' या 'गुल्ली-डंडा' खिलाएं। उन्हें बताएं कि 'अक्कड़ बक्कड़' में जो मजा है, वह किसी मोबाइल ऐप में नहीं। ये खेल हमारी जड़ों से जुड़े हैं, और जड़ें जितनी गहरी होंगी, भविष्य का पेड़ उतना ही ऊंचा और मजबूत होगा।

रागनी

मनोज कुमार वशिष्ठ

ऋतुराज का अभिषेक

ऋतुराज बसंत का पहरा आया, कुदरत रूप संवारा सै,
ज्ञान की देवी सरस्वती का, यो सारा जगत पुकारा सै।।

माघ महीने की शुक्ल पंचमी, मंगल घड़ी या आई सै,
बह्मा जी के कमंडल तै, जल की बूंद मुस्काई सै।
लेकै वीणा प्रकट हुई माँ, वाणी की जोत जगाई सै,
शिव का तिलक हुआ इस दिन, खुशियां जग में छाई सै।
ऋषियों ने इस दिन प्रज्ञा का, दीप अजब संवारा सै।।

कहै 'मनोज वशिष्ठ' सुणो भाई, विज्ञान का लेखा सै,
सूरज जब दिशा बदलै, यो अवसर सबनै देखा सै।
पीली सरसों खेत में झूमै, कीटों का मेल अलेखा सै,
परागण की शक्ति बढ़ जा, कुदरत का यो विशेषा सै।
विटामिन की शक्ति मिलै, सूरज का नूर करारा सै।।

पीले बाणे की महिमा भारी, मन का चाव जगावै सै,
क्रोमोथेरेपी का यो रंग, बुद्धि-तेज बढ़ावै सै।
सेरोटोनिन का स्राव बढ़ै जब, सुस्ती दूर भगावै सै,
जठराग्नि भी तेज होज्या, तन में स्फूर्ति लावै सै।
एकाग्रता और प्रज्ञा का, इसमें भेद न्यारा सै।।

कलम-दवात की पूजा करल्यो, अक्षर ज्ञान की बारी सै,
अंधकार नै मार भगाओ, प्रज्ञा की अब तैयारी सै।
हंस पै बैठी शारदा मैया, विवेक की जिम्मेदारी सै,
ज्ञान बिना यो जीवन सूना, जग में ईश्या हुश्यारी सै।
'वशिष्ठ' के विचारां नै भाई, सच का राह निहारै सै।।

कविता

कर्म चन्द केसर

कुछ ना सै

गन्दा - मन्दा फूहड़ गाणा कुछ ना सै।
लय सुर ताल बिना मुँह बाणा कुछ ना सै।

मतलब खात्तर हाथ मिल्याणा कुछ ना सै।
अपणी बोर - बड़याई गाणा कुछ ना सै।

रिश्तेदारी हो सै प्यारी बरतण की,
बात-बात पै खूँड बजाणा कुछ ना सै।

सुलफा गाँज्जा माँग धतूरा फीम बुरी,
दारु का बी पीणा-प्याणा कुछ ना सै।

बटळी करले चै कितनी धन-माया तौं,
उरियो रहजै गेल्लै जाणा कुछ ना सै।

बाँग्गे-बोळे च्यार डोंकळे लिखकै बस,
अखबारां मैं नाम छपाणा कुछ ना सै।

फास्ट फूड अर लटरम-पटरम खावैं लोग,
होटल का बी ताजा खाणा कुछ ना सै।

चाल-चलन मैं खोट मगन मोह माया मैं,
सिर टोप्पी चै भगवाँ बाणा कुछ ना सै।

जूत लगैं अर मिलैं मिठ्याई खावण नैं,
केसर इसी जगांह पै जाणा कुछ ना सै।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

थासन

लगान राशि की अदायगी न करने पर छारा गांव में लगवा दी थी आग, फरुखनगर में ऐतिहासिक बावड़ी का निर्माण करवाया

हरियाणा क्षेत्र पर भरतपुर राजाओं का भी रहा शासन

इतिहास

यशपाल गुलिया

वर्तमान हरियाणा के एक बड़े भूभाग पर भरतपुर शासकों का 10 वर्षों तक शासन कायम रहा था। इसमें मेवात, सोहना, गुड़गाव, फरुखनगर, झज्जर, बहादुरगढ़ तथा रोहतक का क्षेत्र आता था। पानीपत की तीसरी लड़ाई के बाद महाराजा सूरजमल ने दिल्ली साम्राज्य पर स्वयं अधिकार करने का इरादा कर लिया था। अपनी उसी योजना को सफल बनाने के लिए महाराजा ने प्रथम चरण में दिल्ली के आसपास कब्जा करने की ठान ली थी। तभी दो ऐसी घटनाएं घट गई, जिससे महाराजा सूरजमल को शीघ्रता से कार्रवाई करनी पड़ी थी।

प्रथम घटना के तहत जवाहर सिंह ने पिता का तख्ता पलटने का प्रयास किया था, जिसमें दोनों बाप-बेटों के मध्य पिली पोखर नामक स्थान पर सैन्य भिड़ंत हुई थी। दूसरी घटना, जहांगीरपुर गांव के बादली परगने के मुखिया खड़क सिंह गुलिया की थी। इसके तहत नवाब फरुखनगर से एक व्यंग कर देने पर नवाब खड़क सिंह को बन्दी बनाना चाहता था, परन्तु खड़क सिंह परिवार सहित बल्लभगढ़ भाग गया और वहां के जाट शासक किशन सिंह ने उसको महाराजा सूरजमल के दरबार में पेश कर दिया। खड़क सिंह ने महाराजा को बताया कि नवाब काफी अत्याचार करता है और अगर आप सेना सहित चढ़ाई कर दें तो फरुखनगर क्षेत्र पर आपका सरलता से कब्जा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1728 से फरुखनगर एक नवाबी कायम हो गई थी, जबकि झज्जर तब एक प्रशासनिक परगना मात्र था, जो 1804 में जाकर रियासत बनी थी।

इस प्रकार परिस्थितियों का आंकलन करने के बाद महाराजा सूरजमल ने वर्ष 1762 में जवाहर सिंह को एक बड़ी सेना देकर फरुखनगर पर आक्रमण करने के लिए भेजा। खड़क सिह को भी आवश्यक सैन्य सामग्री आदि के लिए सहायता करने को कहा गया। तदानुसार जवाहर सिंह की सेना ने मेवात के रास्ते हरियाणा क्षेत्र में प्रवेश किया और घाषेड़ा के आमील बहादुर सिंह को पराजित करके तावडू आदि समस्त मेवात पर कब्जा कर लिया। उसके बाद जवाहर सिंह की सेना के फरुखनगर पहुंचने पर नवाब मुसा खां की सेना ने भयंकर गोलाबारी से स्वागत किया और जवाहर सिंह की बड़ी सेना फरुखनगर के किले के बाहर से ही दो महीनों तक गोले दागती रही। महाराजा दिल्ली के आसपास कब्जा नहीं होता देखकर स्वयं अतिरिक्त सेना लेकर फरुखनगर किले के बाहर पहुंचे और एक सप्ताह बाद नवाब को सन्धि करने का झांसा दिया गया।

महाराजा सूरजमल की तरफ से रूपराम कटारी तथा नवाब की तरफ से दिवान जादवराय ने सन्धि निर्धारित की। लेकिन सन्धि के अनुरूप नवाब मुसा खां के किले से बाहर जयपुर नहीं जाने दिया गया और परिवार सहित बन्दी बनाकर डीग के किले में भेज दिया। उसके बाद जवाहर सिंह को सेना ने बहादुरगढ़, झज्जर, दुजाना व रोहतक तक अपना अधिकार कर लिया। महाराजा वापस चला गया तथा जवाहर सिंह स्वयं फरुखनगर रहने लग गया। झज्जर पर उसने राम किशन नामक जाट को प्रशासक नियुक्त कर दिया। महाराजा का दिल्ली पर कब्जे का सपना पूरा नहीं हो सका, क्योंकि अगले वर्ष 1763 में महाराजा सूरजमल ने दिल्ली पर आक्रमण तो कर दिया लेकिन एक दिन के युद्ध के बाद शाम को धोखे से मारा गया। उसके बाद जवाहर सिह फरुखनगर पर खुशहाल राय कायस्थ को हाकिम नियुक्त करके स्वयं भरतपुर लौट गया। उससे आगे हरियाणा क्षेत्र पर भरतपुर शासकों का 9 वर्षों तक ही शासन कायम रह पाया, क्योंकि उस अवधि में एक के बाद एक चार भरतपुर राजाओं की असामयिक मृत्यु हो गई थी। 1772 में फरुख नगर नवाब होकर डिग के किले से रिहा होकर लौट आया तथा फिर से नवाबी ग्रहण करने में सफल रहा। भरतपुर शासकों एवं उनके प्रतिनिधियों ने फरुखनगर में ऐतिहासिक बावड़ी का निर्माण करवाया तथा झज्जर में महादेव मोहल्ले में एक शिवालय, दुजाना में एक दर्शनीय कुआं एवं पक्के तालाब का निर्माण करवाया था। यद्यपि उन्होंने लगान राशि की अदायगी न करने पर छारा गांव में आग भी लगवाई थी, लेकिन उनका शासन होने के कारण ही 1763-64 वाले अभियान के तहत सिख इस क्षेत्र में घुस ही नहीं पाए और जीन्द तक सीमित रहे।

फरुखनगर किले का मुख्य द्वार तथा दाएं भारतपुर शासकों द्वारा फरुखनगर में निर्मित बावड़ी, जोकि अभी तक संरक्षित है।

आकाशवाणी के उद्घोषक को साहित्य से भी जुड़ा होना चाहिए : रितु

कलाकार

डा. तबस्सुम जहां

हरियाणा के हिसार आकाशवाणी की आर.जे., अच्छी शायरा और दिलों को छू लेने वाली स्टोरीटेलर रितु कौशिक कई वर्षों तक दूरदर्शन हरियाणा में न्यूज़ रीडर के रूप में कार्यरत रही हैं। इन्होंने न केवल अपनी ग़ज़लों के ज़रिए साहित्य-प्रेमियों के दिलों में ख़ास जगह बनाई है

बल्कि ये डीडी उर्दू के प्रतिष्ठित कार्यक्रम "कवि हाज़िर हो" में भी अपनी शिरकत दर्ज करा चुकी हैं। कोविड लॉकडाउन के उस बेचैन और उथल-पुथल भरे दौर में, जब चारों ओर निराशा और अकेलापन पसरा हुआ था, रितु ने आकाशवाणी के एक विशेष कार्यक्रम के माध्यम से उम्मीद की रोशनी जलाई।

उन्होंने एक ऐसी शृंखला की शुरुआत की, जिसके मंच पर देश के अज़ीम ग़ज़लकारों और कवियों को जोड़ा। उनके साक्षात्कारों और रचनाओं के ज़रिए श्रोताओं को मानसिक संबल दिया और साहित्य के माध्यम से लॉकडाउन के अवसाद से बाहर निकलने का एक ख़ूबसूरत और सराहनीय प्रयास किया। रितु आकाशवाणी से अपने लगाव के संबंध में बताती हैं कि उन्हें बचपन से रेडियो का शौक मम्मी से मिला, जो हमेशा रेडियो सिलोन सुना करती थीं। कॉलेज के समय लेखन और काव्य गोष्ठियों से होते हुए आकाशवाणी में युवा वाणी के लिए इनका चयन हुआ और 2002 में हिसार स्थानांतरण के बाद ऑडिशन

पास कर तब से वह उद्घोषिका के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा दूरदर्शन हिसार में न्यूज़ रीडर के रूप में कार्य करने को भी वह अपनी एक बड़ी उपलब्धि मानती हैं। उनके अनुसार दूरदर्शन में लाइव कार्यक्रमों की उनकी एंकरिंग की शुरुआत हुई और फिर वह न्यूज रीडर बनी।

दूरदर्शन में न्यूज रीडिंग का अपना तिलिस्म है, जिससे अधिक से अधिक लोग जुड़ना चाहते हैं। रितु बताती हैं कि न्यूज पढ़ते समय प्रवाह, आत्मविश्वास और फोटोजेनिक व्यक्तित्व का भी विशेष महत्व होता है। इच्छुक अभ्यर्थी अख़बार पढ़कर, आईने के सामने अभ्यास करें, सामान्य ज्ञान मजबूत रखें और वेकेंसी आने पर ऑडिशन दें। रितु ने एक लम्बे अरसे तक दूरदर्शन हिसार में न्यूज़ रीडर के तौर पर समय बिताया है, इसलिए दूरदर्शन का यहां से जाना उनके लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था क्योंकि यह किसानों, विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों और लोक कलाकारों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच था। शायरी और ग़ज़लों के क्षेत्र मे रितु ने अच्छा नाम कमाया है लेकिन कमाल की बात यह है कि उनकी पृष्ठभूमि कभी साहित्यिक नहीं रही। उन्होंने 15 वर्ष की उम्र में ग़ज़ल लिखना शुरू कर दिया था, जो शादी के बाद छूट गया था। 15 साल बाद अपने बेटे की प्रेरणा से दोबारा लेखन शुरू किया और जल्द ही अपनी लाजवाब ग़ज़ल गोई से बड़े मुशायरों व जश्न-ए-रेख़्ता, जश्न-ए-अदब जैसे मंचों तक जा पहुंची।

आकाशवाणी में एक आरजे के तौर पर कार्य करने के अनुभव के सम्बन्ध में वह बताती हैं कि आकाशवाणी उनका पहला जुनून है, जिसने समय के साथ खुद को लगातार बदला है। आज भी तमाम माध्यमों के बीच आकाशवाणी ने श्रोताओं के दिल में अपनी अलग और खास जगह बना रखी है। आकाशवाणी स्टूडियो में एकांत में बैठकर प्रोग्राम करना यह अनुभव ही उनके लिए बेहद आनंददायक है। कभी महसूस ही नहीं होता कि अकेले बोल रहे हैं। श्रोताओं से बढ़ता स्नेहिल जुड़ाव और लाइव कार्यक्रमों में उनके संदेश इसे और खास बना देते हैं। प्राइवेट एफएम और आकाशवाणी में मूलभूत अंतर के प्रश्न पर रितु जी का मानना है कि है कि प्राइवेट एफएम और आकाशवाणी में लहजे व कंटेंट का फर्क है। आकाशवाणी शालीन, मर्यादित और लोक संस्कृति से जुड़ा माध्यम है, जो हर वर्ग के लिए कार्यक्रम देता है।

स्वयं उनके शब्दों में- 'मेरे लिए आकाशवाणी सर्वोपरि है और समय के साथ अपडेट होकर इसने आज भी अपनी मजबूत पहचान बनाए रखी है। कोरोना काल में स्टूडियो इंटरव्यू संभव न होने पर ऑनलाइन रिकॉर्डिंग से "साहित्य कलश" शृंखला शुरू की, जिसमें हरि ओम पंवार, सुरेंद्र शर्मा, चंदन दास, अरुण जैमिनी, वसीम बरेलवी, राजेश रेड्डी और फहमी बदायूंनी जैसे प्रतिष्ठित कवि-शायर शामिल हुए। नर्म लहजे, साफ़ तलफ्फुज़ और मधुर आवाज़ वाली रितु कौशिक अमीन सयानी को सुनकर बड़ी हुईं, जिनसे उन्होंने बहुत कुछ सीखा। रितु के अनुसार आकाशवाणी के उद्घोषक को साहित्य से भी जुड़ा होना चाहिए क्योंकि उसका रचनात्मक होना बेहद ज़रूरी है। पहले गूगल भी नहीं था, तब हर ओपनिंग-क्लोज़िंग खुद लिखनी पड़ती थी। आज एआई मदद कर सकता है, लेकिन साहित्यिक ज्ञान ही किसी कार्यक्रम को सच में बेहतर बनाता है।

बच्चों को शुरू से ही शुद्ध हिंदी सिखाएं

आरजे रितु कौशिक कहती हैं कि स्कूल के साथ माता-पिता का भी दायित्व है कि बच्चों को शुरू से शुद्ध हिंदी सिखाएं, क्योंकि क्षेत्रीय बोली वे स्वाभाविक रूप से सीख लेते हैं। उनके विचार से व्यक्तित्व विकास और आगे बढ़ने के लिए अपनी बोली, हिंदी और अंग्रेज़ी तीनों का अच्छा ज्ञान जरूरी है।

खबर संक्षेप

पंजीकृत श्रमिकों को दी जा रही 21 हजार की मदद

सिरसा। श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के हितार्थ अनेकों योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसी श्रंखला में पंजीकृत श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने और उनके परिवार की सहायता के लिए पितृत्व लाभ योजना संचालित की जा रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य श्रमिक के घर में बच्चे के जन्म के समय होने वाले खर्चों में आर्थिक मदद पहुंचाना है। योजना के अंतर्गत पात्र श्रमिक को कुल 21 हजार रुपए की राशि प्रदान की जाती है, जिसे दो भागों में बांटा गया है। इसमें 15 हजार रुपए मुख्य पितृत्व लाभ के रूप में और 6 हजार रुपए श्रमिक की पत्नी के लिए पौष्टिक आहार की व्यवस्था के लिए दिए जाते हैं। इच्छुक श्रमिक को लाभ प्राप्त करने के लिए क्लेम फॉर्म 11 भरना अनिवार्य है और इसके साथ बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र संलग्न करना आवश्यक है। यह लाभ श्रमिक को केवल दो बच्चों तक ही दिया जाता है।

विनोद कुमार बने सलाह के जिला प्रधान

सिरसा। स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन सिरसा हरियाणा की जिला इकाई की एक बैठक रविवार को हिसार रोड स्थित एक निजी प्रतिष्ठान में हुई। बैठक में स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष का चुनाव करवाया गया। चुनाव पर्यवेक्षक के तौर पर गुरदीप सैनी स्टेट चेयरमैन स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन हरियाणा सलाह ने भूमिका निभाई। चुनाव प्रभारी गुरदीप सैनी ने बताया कि विनोद कुमार प्रवक्ता रसायन विज्ञान पीएम राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय माधोसिंघाना के नाम का प्रस्ताव नवीन सिंगला प्रवक्ता रसायन विज्ञान आरोही मॉडल स्कूल जलालआना ने रखा, जिसका उपस्थित सभी प्रवक्ताओं ने ध्वनि मत से अनुमोदन किया।

पांच नशा तस्कर काबू 18 ग्राम हेरोइन बरामद

सिरसा। पुलिस ने जिला क्षेत्र से पांच नशा तस्करों को गिरफ्तार कर करीब 18 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए तस्करों की पहचान बलजीत सिंह, अंग्रेज सिंह, अवतार सिंह, श्यो कुमार व साहिल कुमार के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि नाथूसरी चोपटा पुलिस गश्त व चेकिंग के दौरान गांव कागदाना क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक कार आई जिसे पुलिस ने जांच के लिए रोका। तलाशी लेने पर कार चालक बलजीत सिंह से हेरोइन बरामद हुई।

चोरीशुदा मोटरसाइकिल सहित आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। रानियां थाना पुलिस ने चोरीशुदा मोटरसाइकिल सहित आरोपी को काबू किया है। रानियां थाना प्रभारी ने बताया कि अर्पित निवासी वार्ड नंबर 6 रानियां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि भगत सिंह चौक रानियां पर बेकरी की दुकान करता है और बीती 29 जनवरी 2026 की शाम के समय उसने अपना मोटरसाइकिल बेकरी दुकान के सामने खड़ी की थी। शाम के समय उसकी मोटरसाइकिल को कोई अज्ञात युवक चोरी करके ले गया। पुलिस ने इस शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ थाना रानियां में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पूर्व मंत्री ने भट्टू में ग्रामीणों को किया संबोधित, कहा

हिसार में रैली कर दिखाएंगे ताकत 50 हजार लोग जुटाने का दावा

■ महम कांड ने सारा इतिहास बदल दिया, आज मुलायम परिवार के 37 एमपी है, लेकिन चौधरी देवीलाल परिवार का एक भी नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पूर्व मंत्री रणजीत सिंह ने कहा कि परिसीमन के बाद अगर 3 संसदीय सीटें बढ़ती है तो प्रदेश में 27 नए विधानसभा हलके भी नए बनेंगे। भट्टूकलां दोबारा विधानसभा सीट बन सकती है लेकिन कौन-सा हलका आरक्षित होगा, यह बात का विषय है। रणजीत सिंह रविवार को भट्टू हलके के गांव किरढ़ान में ग्रामीण सभा को संबोधित कर रहे रहे थे। यहां पहुंचने पर ग्रामीणों ने रणजीत सिंह का स्वागत किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए रणजीत सिंह ने ऐलान किया है कि वह हिसार में रैली करेंगे। रैली के जरिए ताकत दिखाने का काम करेंगे। ताकत दिखाकर सौदा करेंगे। हमारी हैसियत बने, हमारा हिस्सा बने, तभी रैली करेंगे। पूर्व मंत्री ने कहा- चौधरी देवीलाल दिल्ली में रैली करते थे, तो सारे हिंदुस्तान की चौधर लेते थे। ऐसे हम भी कुछ लेंगे। हालांकि, अभी आगामी चुनावों में काफी समय पड़ा है। इसलिए रैली करने में अभी जल्दी नहीं करेंगे। रैली तो वह कभी भी कर सकते हैं लेकिन विधानसभा चुनावों को अभी साढ़े 3 साल का समय पड़ा है। रैली का मतलब कुछ लेना है। रैली में ताकत दिखानी है। जिस दिन रैली करूंगा, उस दिन 50 हजार से अधिक लोग एकत्रित करूंगा। पूर्व मंत्री रणजीत सिंह ने कहा कि चौधरी देवीलाल की वो पॉजिशन थी कि दो-दो प्रधानमंत्री बनाए। कई सीएम बनाए। लालू-मुलायम को सीएम बनाया। वहां से अब कहां पहुंच गए हैं। महम कांड ने सारा इतिहास बदल दिया। आज मुलायम परिवार के 37 एमपी है, लेकिन चौधरी देवीलाल परिवार का एक भी नहीं है।

फतेहाबाद। किरढ़ान में ग्रामीणों को संबोधित करते रणजीत सिंह।

मैंने किसी से बदतमीजी नहीं की : रणजीत सिंह

रणजीत सिंह ने कहा कि मैंने कभी किसी से बदतमीजी नहीं की। कभी किसी से दो पैसे नहीं लिए। जैसा आपने दिया, वैसा ही वापस दिया। भट्टू क्षेत्र के हमेशा कर्जदार रहे हैं, यहां के लोगों ने चौधरी देवीलाल और उनके परिवार को खूब इज्जत दी है। आगे भी कर्जदार रहेंगे। रणजीत सिंह ने किसानों के बच्चों से कहा कि खेती मामला ज्यादा बढ़िया नहीं है। खेती करने वाले आदमी विश्व में कहीं भी 8 प्रतिशत से ऊपर नहीं है। अब हमारे देश भारत और पड़ोसी देशों बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका में 60 प्रतिशत लोग खेती करते हैं। खेती में कोई आमदनी नहीं है। 4-5 एकड़ वाले बच्चों की फीस नहीं भर पा रहे हैं। रेहड़ी वाला 5 हजार रुपए रोज कमा रहा है, जबकि उसकी रेहड़ी पर सिर्फ दो लाख का खर्च है। रेहड़ी वाला हर महीने डेढ़ लाख रुपए कमा रहा है। उन्होंने कहा कि जो युवा अपने शहर से निकलकर बड़े शहर में चला गया, वो कामयाब हो गया। ज्यादा से ज्यादा बच्चे बाहर निकलने का प्रयास करें। पढने पर जोर लगाएं।

जिला फतेहाबाद के कब-बुलबुल ने 'गोल्डन ऐरो अवार्ड' में प्रदेश में पाया प्रथम स्थान

■ पूरे हरियाणा से कुल 145 गोल्डन ऐरो अवार्ड प्रदान किए गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

कब-बुलबुल स्काउटिंग की नींव है। यदि नींव मजबूत होगी तो उस पर भवन भी मजबूत बनेगा। यह बात जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अनीता बाई ने जिला फतेहाबाद के कब-बुलबुल एवं उनके लीडर्स को बधाई देते हुए कहे। उन्होंने जानकारी दी कि राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित 'गोल्डन ऐरो अवार्ड' में जिला फतेहाबाद के कब-बुलबुल ने पूरे हरियाणा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पूरे हरियाणा से कुल 145 गोल्डन ऐरो अवार्ड प्रदान किए गए, जिनमें से 50 अवार्ड जिला फतेहाबाद के कब-बुलबुल को प्राप्त हुए हैं, जो जिले के लिए अत्यंत गर्व की बात है। जिला संगठन आयुक्त (कब) महाबीर प्रसाद एवं जिला संगठन आयुक्त (बुलबुल) कांता ने बताया कि जिले के विभिन्न विद्यालयों से 21 कब और 29 बुलबुल ने यह अवार्ड प्राप्त किया है। यह सम्मान भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा प्रदान किया जाता है।

फतेहाबाद। विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते जिले के कब-बुलबुल।

मारपीट करने के मामले में पिता-पुत्र गिरफ्तार

फतेहाबाद। आपसी रंजिश के चलते मारपीट करने के एक मामले में कार्रवाई करते हुए थाना जाखल पुलिस ने पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान गुरत्यन सिंह पुत्र नाथा सिंह तथा उसके लडके प्रगट सिंह निवासी गांव चांदपुरा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक कार तथा दो लाठियां भी बरामद की हैं। थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश ने बताया कि 18 जनवरी को गांव चांदपुरा में आपसी रंजिश के चलते मारपीट की घटना हुई थी। घायल बीरबल सिंह उर्फ ढंगी पुत्र महेंद्र सिंह सहित अन्य घायलों को उपचार हेतु पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाखल तथा बाद में मेडिकल कॉलेज अग्रोहा रेफर किया गया। चिकित्सकीय राय के उपरांत घायलों के बयान दर्ज किए गए।

पुलिस ने हेरोइन तस्करी मामले में दो युवक दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

नशा तस्करों की धरपकड़ करते हुए रतिया पुलिस ने हेरोइन तस्करी के दो मामले में गिरफ्तार युवकों से पूछताछ के आधार पर उसे नशा सप्लाई करने वाले युवकों को भी धर दबोचा है। पहले मामले में गिरफ्तार मुख्य सप्लायर की पहचान मनिन्द्र सिंह उर्फ मनी पुत्र राम सिंह निवासी वार्ड नं. 12, रतिया के रूप में हुई है। इससे पूर्व इसी प्रकरण में एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। थाना शहर रतिया की प्रभारी महिला निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि 18 जनवरी को एंटी नारकोटिक सेल की टीम शहर रतिया क्षेत्र में गश्त तथा नशीले पदार्थों की रोकथाम के संबंध में ड्यूटी पर मौजूद थी। इसी दौरान वार्ड नं. 12, अरोड़ा कॉलोनी में एक युवक पुलिस वाहन को देखकर संदिग्ध अवस्था में मुडक़र तेज कदमों से जाने लगा। संदेह के आधार पर उसे काबू कर पूछताछ की गई। उसने अपना नाम लवप्रीत सिंह उर्फ लब्बी निवासी वार्ड नं. 12, रतिया बताया। तलाशी लेने पर आरोपी की जेब से 5.55 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

नशे के खिलाफ किया जागरूक

नशा मुक्ति टीम ने फतेहाबाद में चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

जिलेभर में ऑपरेशन जीवन ज्योति के अंतर्गत नशा मुक्ति अभियान जारी है। इसी क्रम में एसआई सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद ने गांव तलवाड़ा तथा जाखल क्षेत्र में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया। टीम ने गांव तलवाड़ा व जाखल के विभिन्न गली-चौराहों पर लोगों से संपर्क कर उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। युवाओं और अभिभावकों को विशेष रूप से जागरूक करते हुए नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान पर प्रकाश डाला गया। टीम ने उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने और अन्य लोगों को भी प्रेरित करने का आह्वान किया। अभियान के दौरान उपचाराधीन नशा पीड़ितों से मिलकर उनका फीडबैक भी लिया गया तथा उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। टीम द्वारा गांव तलवाड़ा से एक तथा जाखल से चार नए ड्रग पीड़ितों को चिन्हित किया गया। काउंसलिंग के उपरांत उन्हें आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं तथा नियमित उपचार जारी रखने की सलाह दी गई।

जाखल। लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करते एसआई सुंदर।

पुलिस ने चलाया सघन तलाशी अभियान

डॉग स्क्वॉड और कमांडो टीम के साथ असामाजिक तत्वों को जांचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से लगातार विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में थाना सदर रतिया क्षेत्र में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद के नेतृत्व में डॉग स्क्वॉड टीम, कमांडो टीम तथा स्थानीय पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान थाना सदर रतिया क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों, सार्वजनिक स्थलों, मुख्य मार्गों, बस स्टैंड के आसपास के क्षेत्र, संदिग्ध ढाबों व अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर गहन जांच की गई। पुलिस टीमों द्वारा आने-जाने वाले वाहनों की सघन चेकिंग की गई तथा संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर उनके पहचान पत्रों की भी जांच की गई। डॉग स्क्वॉड टीम की सहायता से आसपास के क्षेत्रों में तलाशी लेकर किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, संदिग्ध वस्तु या आपराधिक तत्व की मौजूदगी की बारीकी से पड़ताल की गई।

रतिया। डॉग स्क्वॉड के साथ तलाशी अभियान चलाते पुलिस टीम।

सक्रियता का संदेश दिया

अभियान के दौरान कमांडो टीम द्वारा क्षेत्र में पैदल मार्च भी किया गया, जिससे आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई तथा असामाजिक तत्वों में पुलिस की सक्रियता का स्पष्ट संदेश गया। स्थानीय पुलिस द्वारा दुकानदारों, राहगीरों व ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उन्हें किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि इस प्रकार के तलाशी एवं चेकिंग अभियान का मुख्य उद्देश्य अपराध की रोकथाम करना, क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना तथा आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। अभियान के दौरान पुलिस बल पूरी तरह सतर्क रहा और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए गए।

लाखों रुपये की ठगी के मामले में आरोपी यूपी से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

साइबर थाना पुलिस ने शेयर मार्केट में ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने वाले एक आरोपी को उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया है। साइबर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर श्याम सुंदर ने बताया कि गांव तलवाड़ा खुर्द निवासी कुलप्रीत सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसे अनु शर्मा नामक इंस्टाग्राम आईडी से एक संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें कम समय में ऑनलाइन ट्रेडिंग के माध्यम से अधिक मुनाफा कमाने का लालच दिया गया। झांसे में आकर पीड़ित ने शुरुआत में छोटे-छोटे टास्क पूरे किए। साइबर अपराधियों ने विश्वास जीतने के लिए प्रारंभिक निवेश पर दोगुनी राशि उसके खाते में वापस भेजी। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित को अधिक लाभ का प्रलोभन देकर बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया। पीड़ित ने लालच में आकर कुल 5 लाख 59 हजार 250 रुपए ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर निवेश कर दिए। जब पीड़ित ने निवेश की गई राशि निकालने के लिए भेजे गए लिंक पर क्लिक किया तो लिंक बंद हो चुका था। तब उसे एहसास हुआ कि वह साइबर ठगी का शिकार हो चुका है। शिकायत के आधार पर साइबर थाना सिरसा में अज्ञात साइबर अपराधियों के विरुद्ध धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

गोवंश के लिए करें सहयोग: बाबा

नंदीशाला केलनियां में मनाया श्रीराधा कृष्ण मंदिर का स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

नंदीशाला केलनियां में स्थापित श्री राधाकृष्ण मंदिर का तीसरा स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर डेरा बाबा भूमणशाह के गद्दीनशीन संत बाबा ब्रह्मदास महाराज भी पहुंचे। बाबा ब्रह्मदास महाराज ने नंदीशाला में गौवंश के लिए की गई व्यवस्थाओं के लिए कमेटी के प्रयासों को सराहा। उन्होंने कहा कि गौवंश की सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य है। गौमाता की सेवा वही कर सकता है, जिस पर गौमाता की कृपा होती है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे अपनी नेक कमाई से कुछ सहयोग गौवंश के लिए अवश्य करें, ताकि इनका सभी के सहयोग से बेहतर तरीके से पालन-पोषण हो सके। प्रधान पवन बांसल ने बताया कि जून 2021 में उन्होंने नंदीशाला का कामकाज संभाला था। उससे पहले यहां क्या था, ये सभी को पता है। 2021 के बाद से लगातार नंदीशाला में सुधार हुआ। शहरवासियों के सहयोग से नंदीशाला कमेटी के सदस्यों ने मिलकर इस नंदीशाला की सीरत व सूरत दोनों बदलने का काम किया। नंदीशाला के सचिव सुशील कंदोई ने कहा कि गौवंश के लिए किया गया सहयोग कभी व्यर्थ नहीं जाता।

सिरसा। बाबा ब्रह्मदास का स्वागत करते नंदीशाला के पदाधिकारी।

चाइनीज मांझा बेचने वालों के विरुद्ध होगी कार्रवाई

जन-सुरक्षा से कोई समझौता नहीं : एसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

प्रदेशभर में पतंगबाजी के दौरान घटित हालिया दुखद घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने चाइनीज मांझे की बिक्री, भंडारण एवं उपयोग पर सख्त चेतावनी जारी की है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का कारोबार करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। हाल ही में गांव भोडिया खेड़ा में पतंग उड़ाते समय छत से गिरने से एक मासूम बच्ची की मृत्यु की घटना अत्यंत पीड़ादायक है। इस प्रकार की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि असुरक्षित पतंगबाजी और प्रतिबंधित मांझे का प्रयोग समाज के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि चाइनीज मांझा न केवल बच्चों और युवाओं के लिए, बल्कि दोपहिया वाहन चालकों, राहगीरों एवं पशु-पक्षियों के लिए भी जानलेवा सिद्ध होता है। इसके बावजूद यदि कोई दुकानदार या व्यक्ति लाभ कमाने के उद्देश्य से इसकी बिक्री या भंडारण करता पाया गया।

एसपी सिद्धांत जैन

सहायक प्रोफेसर कर्ण लढा सम्मानित

रंगमंच के क्षेत्र में दिया बहुमूल्य योगदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

दादा लखमीचंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय रोहतक में संपन्न हुए महोत्सव में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग के सहायक प्रोफेसर कर्ण लढा को रंगमंच के क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में गीत-संगीत, अभिनय एवं अद्भुत रंगोत्सव में देशभर की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों, रंगकर्मियों और कला-प्रेमियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यक्रम में विविध नाट्य प्रस्तुतियां, सांस्कृतिक आयोजन और संवाद सत्र आयोजित किए गए, जिनसे दर्शकों को भारतीय रंगमंच की समृद्ध परंपरा और समकालीन प्रयोगधर्मिता का अनुभव प्राप्त हुआ। महोत्सव के दौरान कर्ण लढा की रंगमंच के प्रति समर्पित सेवा, नवीन सृजनशील दृष्टि तथा युवा कलाकारों के मार्गदर्शन ने भारतीय रंगकर्म में एक विशिष्ट स्थान स्थापित किया। उनके निर्देशन, प्रशिक्षण और सृजनात्मक प्रयासों ने न केवल विद्यार्थियों को मंचीय अभिव्यक्ति की नई दिशा दी, बल्कि रंगमंच को सामाजिक सरोकारों से जोडऩे में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस उपलब्धि के लिए चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के डॉ. मोहम्मद काशिफ, अकादमिक अधिष्ठाता, यूएसजीएस ने विशेष रूप से उन्हें बधाई दी।

सिरसा। सहायक प्रोफेसर कर्ण लढा को सम्मानित करते हुए।

एमएम कॉलेज में एनएसएस शिविर का समापन

सामाजिक सरोकारों से रूबरू हुए स्वयंसेवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

मनोहर मैमोरियल कॉलेज में चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का गौरवमयी समापन हुआ। प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर का संचालन गल्र्ज यूनिट की कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रतिभा मखीजा और ब्वॉयज यूनिट के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकेश सेठी द्वारा किया गया। समापन समारोह में सीडीएलयू सिरसा से एनएसएस कोर्डिनेटर प्रो. रोहताश कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए प्रो. रोहताश कुमार ने कहा कि एनएसएस केवल एक शिविर नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की एक पाठशाला है। यह विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है। एक सजग स्वयंसेवक ही राष्ट्र की उन्नति का आधार बनता है। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मंच संचालन ईशिका एवं ज्योति ने बखूबी निभाया। कुलसिमर व प्रकाश कौर के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। लखवीर और पूजा ने अपनी कविताओं के माध्यम से संदेश दिया।

फतेहाबाद। एमएम कॉलेज में एनएसएस शिविर के समापन अवसर पर जागरूकता रैली निकालते स्वयंसेवक।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कॉलेज स्टाफ से डॉ. मीनाक्षी कोहली, डॉ. विजय गोयल, विकास बैनीवाल, जितेन्द्र बत्रा, शालू, प्रो. प्रीत कौर, प्रो. रश्मि, प्रो. सिम्पा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। एमएम एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन आत्मप्रकाश बत्रा, प्रधान राजीव बत्रा, उपप्रधान अशोक कुमार तनेजा, महासचिव विनोद कुमार मेहता, कोषाध्यक्ष कैलाश बत्रा, बीएड कॉलेज उपप्रधान संजय बत्रा व प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने शिविर के सफल आयोजन पर सभी स्वयंसेवकों और प्रभारियों को शुभकामनाएं दीं।

संगत बुरी तो सर्वनाश से कोई नहीं रोक सकता, संगति अच्छी तो कल्याण निश्चित : कंवर साहेब

खास बातें

- उत्तर प्रदेश में जनपदवार सीडी रेशियो का शासनादेश जारी
- डीएम और कमिश्नर्स के प्रयास एसीआर में होंगे दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

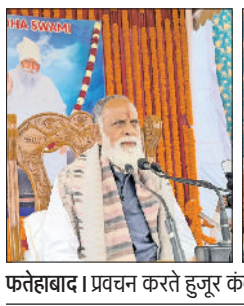

फतेहाबाद। प्रवचन करते हुजूर कंवर साहेब व उपस्थित भक्तजन। फोटो : हरिभूमि

कर्म इंसान खुद ही बनाता है और खुद ही बिगाड़ता है। कर्म को निश्चित करती है हमारी संगति। संगत बुरी है तो आपका सर्वनाश होने से कोई नहीं रोक सकता और अगर आपकी संगति अच्छी है तो आपका कल्याण निश्चित है। एक बात और है कि अच्छाई और बुराई एक साथ नहीं रह सकती। दोनों में से एक ही चीज टिकेगी, इसलिए बुरे को अविलंब त्यागों और सच्चे और अच्छे को अपनाने में देर ना करो। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब जी महाराज ने फतेहाबाद के सिरसा रोड पर स्थित राधास्वामी आश्रम में साध संगत के समक्ष फरमाये।

हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि एक सत्संगी के लिए सत्संग से बड़ा त्योहार और उत्सव नहीं होता। जीव के काम सत्संग ही आता है। संत सतगुरु का वचन कभी मिथ्या नहीं होता। संतों की बानी की महता ज्यों का त्यों बनी रहती है, कमी होती है तो हमारी समझ की होती है। संतों के सत्संग का महत्व कोई गुरुमुख ही जान सकता है। उन्होंने कहा कि जब शरीर को इतना सजाते हो तो हृदय को मैला क्यों छोड़ते हो। संत सतगुरु के सामने अपने आत्मा रूपी कपड़े को डाल दो ताकि उस पर पड़े दागो को गुरु नाम रूपी साबुन से साफ कर दे। गुरु के वचनों को अपने जीवन में उतारो। ये दुनिया ठगों की नगरी है हर कोई आपको ठगेगा केवल सतगुरू ही आपको इन ठगों से बचा सकता है।

जीव के लिए सबसे बड़ा रोग जन्म मरण का

गुरु महाराज ने कहा कि जीव के लिए सबसे बड़ा रोग जन्म मरण का है। जन्म का तो फिर भी कोई निश्चित मापदंड नहीं है लेकिन मौत निश्चित है। जीव को चाहिए कि मृत्यु को सदेव हाजिर नाजिर मान कर अपने अगत की संवार करनी चाहिए। अगत की संवार में सतगुरु ही सहायक है। हुजूर ने फरमाया कि सतगुरु का कड़वा वचन भी आपके लिए हितकारी है, लेकिन सतगुरु के वचन को कोई गुरुमुख ही समझ सकता है। काल ने जीव को रिझाने के लिए अनेक जाल बिछा रखे हैं। जिस प्रकार मांस के छोटे से टुकड़े के लिए मछली अपनी जान फंदे में फंसा बैठती है, वैसे ही इंसान के आगे भी काल ने अनेक फंदे फैला रखे हैं। कोई नशे में उलझा है कोई जुए में, कोई लालच में उलझता है कोई माया में। इन फंदो से संत सतगुरु ही निकाल सकता है लेकिन तभी जब आप गुरु को अपने जीवन में ढालोगे। उन्होंने सरल शब्दों में समझाया कि राम का मिलना मुश्किल नहीं है, अगर मन वचन कर्म को साध लिया तो राम भी सरलता से मिल जाएगा। गुरु को धरो ताकि आपके भ्रम गढ़ टूट जाये। संतो के दर्शन मात्र से ही आप पाप कट जाते हैं क्योंकि अगर आपकी बनेगी तो गुरु से ही बनेगी।

मां-बाप का कभी अनादर न करें

सिखों की पांचवी बादशाही अर्जुन साहिब का प्रसंग साझा करते हुए हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि जिसने चोंच लगाई है, आपके चुगे का इंतजाम भी वही करेगा। जहां आपका बल समाप्त हो जाता है वहां सतगुरु की रहमत काम आएगी। गुरु महाराज जी ने फरमाया कि सतगुरु के रंग में रंग कर भी यदि आप रंगे नहीं गए तो अपना आत्मावलोकन करो। जिस प्रकार पारस पत्थर और लोहे के बीच आपने पर्दा रख दिया तो लोहा सोना नहीं बन सकता उसी प्रकार सतगुरु और शिष्य के बीच यदि दुनिया की कामनाओ का पर्दा है तो शिष्य भी भगत नहीं बन सकता। उन्होंने कहा कि जिसका नमक खाया उसके साथ नमक हरामी मत करना। माँ-बाप का कभी अनादर ना करो। देवो को किसी ने नहीं देखा लेकिन मां-बाप ऐसे देव हैं जो हमारे सामने बैठे हैं। माँ बाप परमात्मा का ही रूप हैं। किसी का हक मत छीनों। नरक और स्वर्ग दोनों यही हैं। संतों ने ये भेद खोला कि आपके कर्म आपको नरक और स्वर्ग का एहसास करवायेंगे। संत ना कभी आडंबर करते हैं ना कोई दिखावा करते हैं लेकिन जो होता है वो सतगुरु से ही होता है।

खबर संक्षेप

महाशिवरात्रि पर विशेष प्रार्थना सभा हुई

कालांवाली। डबवाली रोड पर स्थित बिशना मल जैन सरस्वती विद्या मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भगवान शिव की शिक्षाओं से परिचित करवाना था। इस अवसर पर छात्रों ने शिव कैलाशों के वासी भजन प्रस्तुत किया।प्रधानाचार्य संजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में कक्षा पहली के छात्र दक्ष गुलाटी ने शिव तांडव की प्रस्तुति पेश करके सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। इस प्रस्तुति में नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

शहर में आवारा कुत्तों का आतंक : मेहता

सिरसा। नगर पार्षद रमेश मेहता ने कहा कि शहर में आवारा खुंखार एवं हमलावार कुत्तों को पकडऩे के लिए नगर परिषद द्वारा अधिकृत एजेंसी को इन कुत्तों को पकडक़र इनकी वैक्सीन करने एवं गांव नटार में स्थित शेल्टर में भिजवाने के लिए सतगुरु सेवा समिति को यह ठेका दिया है। उन्होंने कहा कि शहरवासियों की सुविधा के लिए नगर परिषद ने 2 टोल फ्री नंबर जारी किए गए हैं। कॉलोनी में जहां भी कुत्तों की समस्या है तो शहरवासी इन टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज करवाएं और एजेंसी के कर्मचारी से अपना शिकायत नंबर अवश्य ले लें।

राजकीय नेशनल कॉलेज में हुआ विशेष कार्यक्रम

सिरसा। राजकीय नेशनल कॉलेज में केंद्र सरकार की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और आमजन को विकसित भारत जी राम जी, जन-धन योजना, मुद्रा योजना और जीवन ज्योति बीमा योजना जैसी योजनाओं के प्रति जागरूक कर उन्हें मुख्यधारा से जोडऩा रहा। कालेज प्राचार्या डॉ. अनीता मडिया ने कहा कि सरकारी योजनाओं की जानकारी ही सशक्तिकरण का आधार है।

कथा में भोले शंकर की महिमा का किया गुणगान

सिरसा। भगवान शिव चैरिटेबल संस्थान द्वारा मुलतानी कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में महाशिवरात्रि पर आयोजित सात दिवसीय श्री महाशिव कथा के दौरान कथाव्यास गिरिशानंद शास्त्री ने भोले शंकर की महिमा का गुणगान किया। कथाव्यास ने कहा कि भगवान शंकर के लिए भी गणपति महाराज प्रथम पूजनीय थे। भगवान ने स्वयं यह वरदान उन्हें दिया था तथा वे एक बार इस बात की अवहेलना कर विपत्ति का शिकार हुए। सर्वप्रथम भगवान शिव ने ही गणेश पूजन किया था।

पटवार भवन में ज्ञान विज्ञान समिति की बैठक

सिरसा। पटवार भवन में हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति सिरसा की जिला इकाई की बैठक हुई जिसमें संस्था के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी के सदस्यों ने भाग लिया। समिति उपाध्यक्ष भारत भूषण ने कहा कि वैज्ञानिक मानसिकता का विकास और सबके लिए सामाजिक न्याय आज की सबसे बड़ी जरूरत है। जिला सचिव ललित सोलंकी ने कहा कि आजादी के करीब 80 साल बाद भी समाज में अंधविश्वास, जातिवाद और सांप्रदायिकता बहुत गहरे से मौजूद हैं जो आम जनमानस को एकजुट नहीं होने देती।

श्री दुर्गा आदि शक्ति पीठ महाकाली मंदिर का वार्षिक महोत्सव सम्पन्न

माता सत्यम देवा के 'सज रहे भोले बाबा निराले दूल्हे से' भजन पर झूमे शिवभक्त

- भगवान शिव की आराधना से मन को शांति और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा मिलती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। महोत्सव में भजन प्रस्तुत करती साध्वी राज राजेश्वरी तथा अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत करते पुजारी। फोटो : हरिभूमि

शहर के शिवपुरी स्थित श्री दुर्गा आद्य शक्ति पीठ महाकाली मंदिर (मढ़ी) में चल रहे 57वें वार्षिक महाशिवरात्रि महोत्सव के तहत आयोजित भजन संध्या और धार्मिक कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस मौके पर वृन्दावन स्थित देव-देवी धाम से कथावाचक राज राजेश्वरी देवी ने भगवान शंकर की भक्ति का महत्व बताते हुए कहा कि भगवान शिव की आराधना से मन को शांति और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

रविवार को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान शिव व मां पार्वती के जयकारों से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए। कार्यक्रम की अध्यक्षता साध्वी सत्यम देवा ने किया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में समाजसेवी ललित मैहता ने भाग लिया। साध्वी राज राजेश्वरी ने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज में एकता और आध्यात्मिक जागरूकता का संदेश देते हैं। महाशिवरात्रि का पर्व हमें भगवान शिव के आदशों पर चलने और सच्चाई व सदाचार का मार्ग अपनाने की प्रेरणा देता है।

भजन गायक राज कुमार शर्मा ने 'बिगड़े बनाए काम बाबा बर्फानी ने, तेरा अमरनाथ हैं धाम बाबा बर्फानी' ने माहौल को शिवमय किया। अमित मुंजाल ने 'ओम नमः शिवाय, हरि ओम नमः शिवाय, लाख दुःखों की एक दवा, ओम नमः शिवाय' की प्रस्तुति दी। इसके अलावा भजन संध्या के दौरान भजन गायिका ममता माल्या और ईशा सरल ने भगवान शिव और माता के भजनों की मधुर प्रस्तुति दी। उनके भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए और पूरा मंदिर परिसर शिवमय हो गया।

श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लेते हुए भक्ति में डूबकर भगवान का स्मरण किया। श्री चंडी देवी मंदिर की संचालक माता सत्यम् देवा के 'सज रहे भोले बाबा निराले दुल्हे से, भजन गाकर शिव भोले की बारात का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान शिव बड़े दयालु हैं। भगवान शिव के चरणों में जो श्रद्धा से आकर सिर झुकाता है, उस शिव भक्त के जीवन में हमेशा खुशियां ही खुशियां रहती हैं। जीवन में दुख दरिद्रता दूर भाग जाती है।

इस अवसर पर श्री आदिशक्ति पीठ महाकाली मंदिर के सेवादारों ने श्रद्धालुओं के लिए व्यापक प्रबंध कर रखे थे। कार्यक्रम में सजा भगवान शिव का दरबार देखने योग्य था। भंडारे वाले बाबा चरणजीत शर्मा ने श्रद्धालुओं को शिवरात्रि महापर्व की शुभकामनाएं प्रदान करते हुए इस आयोजन की बधाई दी। पूजा अर्चना और आरती के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया और अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने लंगर प्रसाद को ग्रहण किया।

महोत्सव के सफल आयोजन में ये रहे प्रमुख

महोत्सव के सफल आयोजन में मंदिर के संरक्षक पंडित चरणजीत शर्मा, हरबंस लाल वधवा, उपप्रधान संजय शर्मा, सचिव प्रवीण आहूजा, कैशियर मनोहर लाल हंबीरिया, सन्नी शर्मा, विनोद मदान, गगन शर्मा, गौरव शर्मा और भूपेंद्र शर्मा सहित मंदिर समिति के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

हेरोइन सहित दो युवक गिरफ्तार

जाखल। जाखल पुलिस ने दो युवकों को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान जगदीप सिंह व रणजीत सिंह निवासी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों ही आरोपी भाई है। वह नशा तस्करी में पिछले लम्बे समय से सलिप्त है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस की टीम रेलवे पुलिस के पास गश्त कर रही थी कि एक मोटरसाइकिल पर दो युवक आए और पुलिस को देखकर घबरा गए जिस पर पुलिस ने दोनों को रोककर जब तलाशी ली तो उनके कब्जे से 13 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना जाखल में नशे के विरूध मामला दर्ज कर इसकी जांच शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पहले भी हरियाणा व पंजाब में कई मामले दर्ज है जिससे यह साफ है कि यह दोनों आरोपी नशा तस्करी में जुड़े हुए है। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में जगदीप उर्फ जस्सी पर कुल 16 मामले दर्ज है, जिसमे से हरियाणा के जाखल, रतिया, टोहाना व पंजाब के जिला मानसा, बुढलाडा, संगरूर सहित अन्य कई जगहों पर मामले दर्ज है तो वही रणजीत सिंह पर भी पंजाब के बरेटा व हरियाणा में जाखल व रतिया में मामला दर्ज है।

चोरी की तीन वारदातों का खुलासा, छह काबू

डबवाली। पुलिस ने डबवाली व कालांवाली शहर क्षेत्र में चोरी की तीन वारदातों का खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरीशुदा सामान भी बरामद किया है। स्पेशल स्टाफ प्रभारी रामफल ने रविवार को बताया कि डबवाली निवासी विनोद कुमार ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई कि एक व्यक्ति मोबाइल खरीदने के बहाने उसकी दुकान पर आया और मौका पाकर तीन मोबाइल लेकर फरार हो गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने सुराग जुटाकर पंजाब के किलियांवाली निवासी गुरमेज सिंह व कृष्ण कुमार को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरीशुदा मोबाइल बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने डबवाली में एक घर का ताला तोडक़र से हजारों रुपये की नगदी व सामान चोरी का खुलासा करते हुए आरोपी सचिन को गिरफ्तार किया।

सुभाष बराला ने सुनी क्षेत्रवासियों की समस्याएं

टोहाना। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को अपने पैतृक गांव डांगरा स्थित फार्म हाउस आवास पर क्षेत्र के नागरिकों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों के साथ मुलाकात की। सांसद ने नागरिकों से उनका कुशलक्षेम जाना तथा क्षेत्र की समस्याओं, विकास कार्यों और जनअपेक्षाओं को लेकर विस्तार से संवाद किया। नागरिकों ने गांव एवं आसपास के क्षेत्रों से संबंधित सडक़, पेयजल, बिजली, सिंचाई, सामाजिक पेंशन, युवा रोजगार तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विषय सांसद के समक्ष रखे। सांसद सुभाष बराला ने प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए तथा लंबित मामलों के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल संसद तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक की समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए जनसंपर्क अत्यंत आवश्यक है। नियमित संवाद से ही प्रशासन और आमजन के बीच समन्वय मजबूत होता है तथा विकास कार्यों को गति मिलती है।

न्यूज डायरी

मंदिरों में धूम-धाम से मनाया महाशिवरात्रि पर्व

कालांवाली। शिवरात्रि पर्व पर शहर के मंदिरों में शिवालय गूंज उठे। सुबह से ही मंदिरों में भोलेनाथ के दर्शन के लिए भक्तों की कतार लगी रही। श्रद्धालुओं ने बाबा को खुश करने के लिए भांग, धतूरा, शहद, बेलपत्र चढ़ाकर फूल और दूध शिवलिंग पर चढ़ाया। शहर के श्री शिवबाडी मंदिर, प्राचीन श्री दुर्गा मंदिर व श्री खाटू श्याम मंदिर में सुबह ही श्रद्धालुओं के आने का क्रम शुरू हो गया और बड़ी संख्या में महिला-पुरुष व बच्चों ने शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। प्राचीन श्री दुर्गा मंदिर में व श्री शिवबाडी मंदिर व श्री खाटू श्याम मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए भांग, धतूरा, शहद, बेलपत्र आदि विशेष प्रबंध किया गया। कावडियों ने विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर शिवालयों पर जलाभिषेक किया। इस मौके पर मार्के कमटी के वाईस चेयरमैन मोहन जिंदल, कच्चा आढती एसोसिएशन के प्रधान राज कुमार जिंदल, मंगत राए, प्रदीप जिंदल, दुर्गा मंदिर कमेटी के प्रधान नरेश सिंगला, विक्की बांसल, राजबीर सिंह, रिंकू बांसल, साहिल कुमार, सोनू बांसल आदि मौजूद थे।

गीता भवन में भव्य हिंदू सम्मेलन आयोजित

कालांवाली। शहर के दादू रोड पर स्थित श्री गीता भवन के प्रागण में संत श्री श्री 1008 डॉ रमेशा नंद महाराज के सानिध्य में भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर विभाग कार्यवाह कृष्ण कुमार ने शिरकत की। सम्मेलन में मुख्य वक्ता कृष्ण कुमार ने पांच परिवर्तन जैसे परिवार प्रबोधन,पर्यावरण संरक्षण,सामाजिक समरसता,स्वदेशी अपनाने और नागरिक कर्तव्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कायकर्म के अंत में संत श्री श्री 1008 डॉ रमेशा नंद महारा ने आशीर्वचन दिया। इस अवसर पर प्रधान कृष्ण कुमार बांसल, पीरखाना मंदिर कमेटी की ओर से मोहन लाल जिंदल, महाजन धर्मशाला कमेटी के प्रधान भूषण जिंदल, विश्व हिंदू परिषद् के जिला उपाधक्ष दिनेश जैन, सुभाष अरोडा, भाजपा के मंडल अध्यक्ष लवली गर्ग, जीवन गर्ग, इंद्रजीत यादव, युवा मंच के प्रधान चरणदास चन्नी, पार्षद सुभाष शर्मा, कौर चंद शर्मा, घन श्याम दास शर्मा सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

छात्रा का पीछा कर छेड़छाड़ करने वाला गिरफ्तार

रतिया। ट्यूशन जाते समय नाबालिग छात्रा का पीछा कर छेड़छाड़ करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर रतिया पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री 13 फरवरी शाम को ट्यूशन पढऩे के लिए जा रही थी। इसी दौरान गांव के पम्मा उर्फ पवन पुत्र ओमप्रकाश निवासी मढ़ तथा आकाश पुत्र गुरचरण सिंह निवासी मढ़ ने उसका पीछा किया। आरोप है कि पवन उर्फ पम्मा ने छात्रा पर दोस्ती करने का दबाव बनाया तथा उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। शिकायत के आधार पर थाना सदर रतिया में बीएनएस की धाराओं के अलावा पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी की पहचान पवन उर्फ पम्मा पुत्र ओमप्रकाश निवासी मढ के रूप में कर उसे काबू कर लिया, जबकि दूसरे आरोपी की तलाश जारी है।

डोडा पोस्त तस्करी मामले में सप्लायर गिरफ्तार

फतेहाबाद। थाना भुना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में मुख्य सप्लायर को काबू किया है। इससे पूर्व इसी प्रकरण में एक आरोपी को पहले ही काबू किया जा चुका है। थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि 9 फरवरी को पुलिस टीम एएसआई मेजर सिंह के नेतृत्व में गांव गोरखपुर स्थित बस अड्डा क्षेत्र में गश्त पर मौजूद थी। इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि धर्मवीर उर्फ काला पुत्र निहाल सिंह निवासी गोरखपुर शराब ठेका के पीछे स्थित कमरे में चूरा डोडा पोस्त बेचने का कार्य करता है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए मौके पर दबिश दी। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 420 ग्राम चूरा डोडा पोस्त बरामद किया गया। इस संबंध में थाना भुना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान इस प्रकरण में मुख्य सप्लायर की पहचान राकेश उर्फ बुधराना पुत्र खुशीराम निवासी गोरखपुर के रूप में हुई। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे भी काबू कर लिया है।

हजारों की नकदी सहित सात जुआरी गिरफ्तार

भट्टूकलां। सीआईए फतेहाबाद टीम ने सूचना पर भट्टू क्षेत्र में छापेमारी करते हुए सात लोगों को जुआ खेलते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्ज से 69,720/- की जुआ राशि बरामद की है। सीआईए प्रभारी उपनिरीक्षक बेदपाल ने बताया कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि किरढान रोड स्थित एक पशु डेयरी पर कुछ व्यक्ति अवैध रूप से जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और जुआ खेल रहे 7 व्यक्तियों को काबू किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से कुल 69,720/- की जुआ राशि बरामद की गई। काबू किए गए आरोपियों की पहचान प्रमोद उर्फ कालू पुत्र भिखू राम निवासी भट्टू मंडी, सुरजीत सिंह पुत्र सांवत राम व राजेश कुमार पुत्र अजीत सिंह निवासी भट्टू कलां, मनोज कुमार पुत्र मोजीराम निवासी भट्टू मंडी, सुभाष पुत्र जय सिंह निवासी ढिंगसरा, कुलदीप पुत्र महाबीर निवासी किरढान तथा संजय पुत्र रोहताश निवासी भट्टू कलां के रूप में हुई है। इस संबंध में थाना भट्टू कलां में जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अवैध शराब मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। ढाणी में शराब निकालने के मामले में कार्रवाई करते हुए भूना पुलिस ने फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना भुना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि 13 फरवरी को पुलिस टीम एएसआई बुधराम के नेतृत्व में गांव जाण्डली कलां से गोरखपुर रोड पर अपराध रोकथाम हेतु गश्त पर मौजूद थी। इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि जयबीर उर्फ मक्कु पुत्र सुरताराम निवासी जाण्डली कलां अपनी खेत ढाणी में अवैध शराब निकालने का धंधा करता है तथा भारी मात्रा में लाहण तैयार कर रखा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर दबिश दी। खेत ढाणी के समीप पहुंचने पर एक व्यक्ति ड्रम में लाहण तैयार करता हुआ दिखाई दिया, जो पुलिस वाहन को देखकर संकरे रास्ते से फरार हो गया। मौके की तलाशी लेने पर एक नीले रंग के प्लास्टिक ड्रम से लगभग 100 लीटर अवैध लाहण बरामद हुआ। इस पर पुलिस ने एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी की पहचान जयबीर के रूप में हुई। फरार होने के उपरांत आरोपी को बाद में पुलिस टीम द्वारा काबू कर लिया गया है।

खेल

सभी गणमान्य सदस्यों ने मशाल के साथ दौड़ लगाते हुए खेल भावना एवं एकता का संदेश दिया

एपेक्स कॉन्वेंट स्कूल में जूनियर स्पोर्टस मीट, खेल मैदान में गूंजा उत्साह

खेल गतिविधियां बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं अनुशासन का विकास करती हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। एपेक्स में स्पोर्ट्स मीट के उद्घाटन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं एवं स्पोर्ट्स मीट का उद्घाटन करते अतिथिगण व स्कूल प्रबंधक।

सतीश कालोनी स्थित एपेक्स कॉन्वेंट स्कूल के खेल मैदान में 18वें जूनियर स्पोर्ट्स मीट का आयोजन उत्साह के साथ किया गया। आयोजन में प्री-नर्सरी से कक्षा तृतीय तक के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं ऊर्जा के साथ भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के पारंपरिक स्वागत से हुआ। इस अवसर पर कक्षा तृतीय के विद्यार्थियों ने स्केटिंग करते हुए स्वागत ध्वज के साथ अतिथियों का अभिनंदन किया, जो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। इसके पश्चात विद्यालय संरक्षक सतीश चराईपोत्रा, प्रबंधन समिति सदस्य चंद्रकांता, निदेशक अमित मक्कड़, रीत मक्कड़, अंशुल चराईपोत्रा, प्राचार्य उमंग कक्कड़ के अलावा एपेक्टस स्कूल प्राचार्य विनोद कुमार द्वारा मशाल प्रज्वलित कर खेल महोत्सव का शुभारंभ किया गया। सभी गणमान्य सदस्यों ने मशाल के साथ दौड़ लगाते हुए खेल भावना एवं एकता का प्रेरणादायी संदेश दिया।

तत्पश्चात कक्षा तृतीय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भव्य मार्च-पास्ट अनुशासन, समन्वय एवं आत्मविश्वास का उत्कृष्ट उदाहरण रहा, जिसकी उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों ने सराहना की। विद्यालय के निदेशक अमित मक्कड़ ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेल गतिविधियां बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं अनुशासन का विकास करती हैं तथा उन्हें जीवन में आगे बढऩे के लिए प्रेरित करती हैं। कक्षा द्वितीय के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीतों के मिश्रण पर प्रस्तुत आकर्षक नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। उद्घाटन अवसर पर रंग-बिरंगे गुब्बारों का विमोचन कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा।

खेल महोत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें रिंग गेम, बॉल बैलेंस, कोन ऑन हेड सहित अनेक रोचक एवं संतुलन आधारित गतिविधियां शामिल थीं। इन खेलों में प्री-नर्सरी से कक्षा तृतीय तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा एवं संतुलन क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस खेल महोत्सव में अभिभावकों एवं अतिथियों की भी सहभागिता रही।